

अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार



रजि.न.34300/80 | संख्या 306 | श्री विजयपुरम, बुधवार, 18 नवंबर 2026 | web: dt.andamannicobar.gov.in | 2.00 रूपए

लोक निवास में दस वर्षों के अंतराल के बाद अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की राज्य स्तरीय 'दिशा' समिति की बैठक आयोजित

विकास योजनाओं की समीक्षा एवं जनसमस्याओं के समयबद्ध समाधान पर दिया गया ज़ोर

विकास कार्यों की निगरानी, पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने के निर्देश

नागरिक अधिकार–पत्र, विक्रेता क्षेत्र एवं अभ्युदय कोचिंग कार्यक्रम सहित विकास की प्राथमिकताओं की समीक्षा







श्री विजयपुरम, 17 नवंबर। अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल डॉ. दिनेश शर्मा जी की उपस्थिति में आज लोक निवास, श्री विजयपुरम में अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की राज्य स्तरीय ज़िला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक आयोजित की गई। दस वर्षों के अंतराल के बाद आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय सांसद एवं दिशा समिति के अध्यक्ष श्री विष्णु पद राय ने की। बैठक में विभिन्न विकासात्मक योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति, उनके क्रियान्वयन की स्थिति तथा आगामी कार्ययोजना की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक का मुख्य उद्देश्य ज़मीनी स्तर पर सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की वास्तविक स्थिति का आकलन करना, उनके क्रियान्वयन में आ रही चुनौतियों की पहचान करना तथा जनसमस्याओं का प्रभावी एवं समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना था। अध्यक्ष ने सभी विभागों को निर्देश दिया कि सरकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक अनिवार्य रूप से पहुँचे। इसके लिए पारदर्शिता, नियमित निगरानी एवं जवाबदेही की व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ किया जाए। उन्होंने ज़ोर देते हुए कहा कि विकास कार्यों की सफलता केवल बजट आवंटन अथवा परियोजनाओं की स्वीकृति से सुनिश्चित नहीं होती, बल्कि उनका गुणवत्तापूर्ण, समयबद्ध एवं पारदर्शी ढंग से धरातल पर क्रियान्वयन ही उनकी वास्तविक सफलता का आधार है।

इस दौरान माननीय उप राज्यपाल ने निर्देश दिया कि सभी नागरिक सेवाओं एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए नागरिक अधिकार–पत्र (सिटीज़न चार्टर) का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। नागरिकों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत उपलब्ध सुविधाओं एवं लाभों की जानकारी देने के लिए संबंधित कार्यालयों एवं सार्वजनिक स्थलों पर सूचना–पट्ट प्रदर्शित किए जाएँ। इसके अतिरिक्त, व्यापारियों, रेहड़ी–पटरी विक्रेताओं एवं असंगठित क्षेत्र में कार्यरत लोगों की सुविधा के लिए उपयुक्त स्थानों पर विक्रेता क्षेत्र (वेंडर ज़ोन) स्थापित किए जाएँ। विद्यार्थियों की शैक्षणिक तैयारी एवं रोज़गार की संभावनाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अभ्युदय कोचिंग कार्यक्रम प्रारंभ करने के निर्देश भी दिए गए।

माननीय उप राज्यपाल ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी चल रही विकास परियोजनाओं की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की नियमित निगरानी की जाए, ताकि उन्हें निर्धारित समय–सीमा के भीतर पूरा किया जा सके। उन्होंने विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा योजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली बाधाओं का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने पर भी ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि सरकारी कार्यों में पारदर्शिता एवं जवाबदेही बनाए रखते हुए योजनाओं का लाभ सभी पात्र लाभार्थियों तक पहुँचाया जाए। साथ ही, आम जनता की शिकायतों एवं सुझावों को गंभीरता से लेते हुए उनका त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए।

इस अवसर पर श्री विजयपुरम नगरपालिका परिषद की अध्यक्षा श्रीमती एम. वसंता, मुख्य सचिव श्री ज्ञानेश भारती, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, उपायुक्त, दक्षिण अण्डमान तथा संबंधित विभागों के अधिकारी एवं समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। उपायुक्त, उत्तर व मध्य अण्डमान, उपायुक्त, निकोबार ज़िला तथा अन्य संबंधित अधिकारियों ने आभासी माध्यम से बैठक में भाग लिया।

लोक निवास से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति, उनकी भौतिक एवं वित्तीय स्थिति, अंतर–विभागीय समन्वय तथा आगामी कार्यों के लिए आवश्यक उपायों पर विस्तृत चर्चा की गई। दिशा समिति का उद्देश्य केंद्र सरकार, केंद्रशासित प्रदेश प्रशासन एवं स्थानीय निकायों के बीच समन्वय स्थापित करते हुए विकासात्मक पहलों की निगरानी एवं क्रियान्वयन को सुदृढ़ करना है। बैठक के अंत में सभी विभागों को निर्देशों के अनुपालन में समयबद्ध कार्ययोजना तैयार करने, विकास कार्यों की नियमित समीक्षा करने तथा जनहित से जुड़े विषयों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के आदेश दिए।

हैडो घाट पर उद्योग विभाग के सातवें 'सागरिका एम्पोरियम' का उद्घाटन

स्थानीय हस्तशिल्पियों एवं स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों को बाज़ार से जोड़ेगा हैडो घाट स्थित सागरिका एम्पोरियम









श्री विजयपुरम, 17 नवंबर। अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल डॉ. दिनेश शर्मा जी ने आज श्री विजयपुरम स्थित हैडो घाट पर उद्योग विभाग के सातवें 'सागरिका एम्पोरियम' का उद्घाटन किया। यह एम्पोरियम स्थानीय हस्तशिल्पियों, कारीगरों एवं स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों को बाज़ार तथा पर्यटकों तक पहुँचाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा। इसके माध्यम से द्वीपसमूह की पारंपरिक कला, हस्तशिल्प एवं स्थानीय स्मृति–चिह्नों को प्रोत्साहन मिलने के साथ–साथ स्थानीय उत्पादकों की आय में वृद्धि करने में भी सहायता मिलेगी।

सागरिका एम्पोरियम पर्यटकों को अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, स्थानीय शिल्पकला एवं विशिष्ट स्मृति–चिह्नों से परिचित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस एम्पोरियम में स्थानीय हस्तशिल्पियों एवं स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार किए गए उत्पादों को प्रदर्शित करने के साथ–साथ उनकी बिक्री की भी व्यवस्था होगी। इससे स्थानीय कारीगरों एवं उत्पादकों को अपने उत्पादों के लिए बेहतर बाज़ार उपलब्ध होगा तथा रोज़गार के अवसरों एवं आर्थिक सशक्तीकरण को बढ़ावा मिलेगा। यह पहल पर्यटन क्षेत्र एवं स्थानीय अर्थव्यवस्था के बीच बेहतर संबंध स्थापित करने में भी सहायक सिद्ध होगी।

लोक निवास से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इस अवसर पर पर्यटकों से उनके अनुभव, सुझाव एवं प्रतिक्रियाएँ प्राप्त करने के उद्देश्य से एक विशेष सूचना एवं प्रतिक्रिया कियोस्क का भी अनावरण किया गया। इस कियोस्क के माध्यम से पर्यटक अपनी राय एवं सुझाव साझा कर सकेंगे, जिससे पर्यटन सुविधाओं, स्थानीय उत्पादों तथा उपलब्ध सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार लाने में सहायता मिलेगी।

उद्घाटन समारोह में माननीय सांसद श्री विष्णु पद राय, आयुक्त–सह–सचिव श्रीमती चंचल यादव, नगरपालिका परिषद की अध्यक्षा श्रीमती एम. वसंता, उपायुक्त, दक्षिण अण्डमान, उद्योग सचिव, गृह सचिव, कार्मिक सचिव तथा विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।





अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल डॉ. दिनेश शर्मा जी ने लोक निवास में स्वच्छ सर्वेक्षण 2025–26 के अंतर्गत श्री विजयपुरम को प्राप्त 'स्वच्छ शहर–केंद्रशासित प्रदेश' पुरस्कार का अनावरण किया। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार 11 नवंबर को नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में माननीय राष्ट्रपति जी द्वारा प्रदान किया गया था।





अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल डॉ. दिनेश शर्मा जी ने लोक निवास, श्री विजयपुरम में राष्ट्रमंडल विद्यालय शतरंज प्रतियोगिता 2026, कुआलालंपुर में स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले श्री जे. एस. विराट को प्रशस्ति–पत्र प्रदान कर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने एसएसआर को लेकर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक

श्री विजयपुरम, 17 नवंबर।

अर्हता तिथि 1 जनवरी, 2027 के संदर्भ में फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर) तथा एकीकृत मसौदा मतदाता सूची–2027 के प्रकाशन के संबंध में आज ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज निदेशालय के सम्मेलन कक्ष में अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के कार्यवाहक मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) डॉ. अपूर्व शर्मा की अध्यक्षता में सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक आयोजित की गई। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने जानकारी दी कि मसौदा मतदाता सूची–2027 आज 17 नवंबर, 2026 को प्रकाशित कर दी गई है। इस सूची के संबंध में दावे एवं आपत्तियां दर्ज़ कराने की अवधि 17 नवंबर से 16 दिसंबर, 2026 तक निर्धारित की गई है। सभी 415 मतदान केंद्रों पर 21 नवंबर, 2026 (शनिवार) एवं 22 नवंबर, 2026 (रविवार) को विशेष अभियान आयोजित किया जाएगा। दावे एवं आपत्तियों का निपटारा 28 दिसंबर, 2026 तक किया जाएगा तथा अंतिम मतदाता सूची 4 जनवरी, 2027 को प्रकाशित की जाएगी।



उन्होंने आगे बताया कि मसौदा मतदाता सूची–2027 के अनुसार द्वीपसमूह में कुल 2,60,981 मतदाता हैं, जिनमें 1,31,829 पुरुष, 1,29,149 महिलाएं तथा तृतीय लिंग के 3 मतदाता शामिल हैं। लिंगानुपात 980 तथा निर्वाचक–जनसंख्या (ईपी) अनुपात 601 है। मतदाता फोटो पहचान पत्र (ईपीआईसी) कवरेज का प्रतिशत 99.32 है तथा पूरे द्वीपसमूह में कुल 415 मतदान केंद्र हैं।

मतदान केंद्रों की संख्या 411 से बढ़कर 415 हो गई है। इसके अंतर्गत चार नए मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें एक उत्तर व मध्य अण्डमान ज़िले की डिगलीपुर तहसील तथा तीन दक्षिण अण्डमान ज़िले की फरारगंज तहसील में स्थापित किए गए हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से प्रत्येक मतदान केंद्र के लिए बूथ स्तरीय अभिकर्ता (बीएलए) नियुक्त करने की अपील की। ये अभिकर्ता पुनरीक्षण अवधि के दौरान बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) के साथ मिलकर 18 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के पात्र नए तथा छूटे हुए मतदाताओं की पहचान करने में सहयोग करेंगे। बैठक के दौरान मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ मसौदा मतदाता सूची–2027 भी साझा की गई। प्रतिनिधियों ने अपने सुझाव एवं प्रश्न प्रस्तुत किए, जिनका मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने उचित उत्तर दिया। मसौदा मतदाता सूची–2027 मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट **www.ceoandaman.nic.in** पर भी उपलब्ध है, जहां मतदाता अपने नाम का सत्यापन कर सकते हैं। मतदाताओं को सलाह दी गई है कि वे मसौदा मतदाता सूची–2027 में अपना नाम अवश्य जांच लें। आवश्यकता पड़ने पर नाम शामिल कराने के लिए प्रपत्र–6, विवरण में संशोधन के लिए प्रपत्र–8 तथा नाम हटाने के लिए प्रपत्र–7 के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। ये आवेदन ऑनलाइन 'ईसीआईनेट मोबाइल ऐप', वेबसाइट **https://voters.eci.gov.in** के माध्यम से अथवा दावे एवं आपत्तियों की निर्धारित अवधि अर्थात 16 दिसंबर, 2026 तक अपने संबंधित बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) को निर्धारित प्रपत्र जमा करके किए जा सकते हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सभी पात्र नागरिकों, विशेषकर युवाओं एवं पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं से अपील की है कि वे निर्धारित दावे एवं आपत्तियों की अवधि के दौरान मतदाता सूची में अपने नाम की जांच करें तथा अपना पंजीकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने राजनीतिक दलों से भी छूटे हुए युवाओं एवं पहली बार मतदान करने वाले पात्र मतदाताओं की पहचान करने और उनका नाम मतदाता सूची में शामिल कराने में सहयोग देने का आग्रह किया। किसी भी प्रकार की सहायता अथवा जानकारी के लिए मतदाता अपने संबंधित बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) से संपर्क कर सकते हैं अथवा मतदाता हेल्पलाइन नंबर 1950 पर कॉल कर सकते हैं।

विशेष लोक अदालत 21 नवंबर को

श्री विजयपुरम, 17 नवंबर।

ज़िला विधि सेवा प्राधिकरण, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह द्वारा 21 नवंबर, 2026 को पोर्ट ब्लेयर स्थित ज़िला न्यायालय परिसर, मायाबंदर स्थित उप–मंडलीय न्यायालय परिसर तथा डिगलीपुर स्थित सर्किट न्यायालय में विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इस विशेष लोक अदालत में परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 की धारा 138 के अंतर्गत विभिन्न न्यायालयों में लंबित मामलों को पक्षकारों के बीच आपसी सहमति से समझौते के आधार पर निपटारे के लिए सुनवाई हेतु लिया जाएगा। इस प्रकार के किसी भी विवाद से संबंधित आम जनता के सदस्य अपने विवादों का लिखित विवरण 19 नवंबर, 2026 से पहले ज़िला विधि सेवा प्राधिकरण, पोर्ट ब्लेयर के सचिव को प्रस्तुत कर सकते हैं, ताकि उनके विवादों की प्रक्रिया पूरी कर 21 नवंबर को आयोजित होने वाली विशेष लोक अदालत में सुनवाई के लिए तैयार किया जा सके।

सरस आजीविका मेला के तीसरे दिन उमड़ी लोगों की भीड़, लगभग 2.75 लाख रुपये की बिक्री

श्री विजयपुरम, 17 नवंबर।

द्वीप प्रशासन के ग्रामीण विकास, पंचायती राज संस्था एवं शहरी स्थानीय निकाय निदेशालय द्वारा आयोजित सरस आजीविका मेला–2026 के तीसरे दिन मेले में लोगों की उत्साहजनक भागीदारी देखने को मिली। इस दौरान अच्छी बिक्री के साथ–साथ रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया।

मेले में स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी), ग्रामीण महिला उद्यमियों तथा पारंपरिक कारीगरों को अपने उत्पादों का प्रदर्शन करने, स्थानीय हस्तकला को बढ़ावा देने तथा विपणन के व्यापक अवसर तलाशने के लिए एक समर्पित मंच उपलब्ध कराया जा रहा है। मेले के तीसरे दिन लगभग 2,75,000 रुपये की बिक्री दर्ज़ की गई तथा करीब 780 लोगों ने मेले का भ्रमण किया। आगंतुकों एवं ग्राहकों की उत्साहजनक प्रतिक्रिया से स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों के प्रति लोगों की बढ़ती रुचि तथा ग्रामीण उद्यमियों को सीधे विपणन के अवसर उपलब्ध कराने के महत्व का पता चलता है।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार विभिन्न प्रस्तुतियों में लगभग 30 कलाकारों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम ने विभिन्न द्वीपों एवं ब्लॉकों के कलाकारों तथा समूहों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और क्षेत्र की सांस्कृतिक विविधता का उत्सव मनाने का अवसर प्रदान किया। सरस आजीविका मेला–2026 आगामी 29 नवंबर, 2026 तक जारी रहेगा।

कार निकोबार में मना जनजातीय गौरव दिवस

कार निकोबार, 17 नवंबर।

निकोबार ज़िले के ज़िला प्रशासन ने एकीकृत जनजातीय विकास परियोजना (आईटीडीपी), कार निकोबार के सहयोग से 15 नवंबर, 2026 को बाल भवन, जीपीएस किन्यूका, कार निकोबार में जनजातीय गौरव दिवस–2026 मनाया। यह आयोजन महान जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती के उपलक्ष्य में किया गया, जिन्होंने जनजातीय समुदायों के अधिकारों, सम्मान एवं कल्याण के लिए ब्रिटिश शासन के विरुद्ध साहसपूर्वक संघर्ष किया था। इस कार्यक्रम में श्री अमित काले, भा.प्र.से., उपायुक्त, निकोबार ज़िला मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वहीं श्री लियोनेल निकोमेड, अध्यक्ष, जनजातीय परिषद, कार निकोबार सम्मानित अतिथि तथा श्री राहुल एल. नायर, भा.पु.से., पुलिस अधीक्षक, निकोबार ज़िला विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ गणमान्य अतिथियों द्वारा पारंपरिक रूप से दीप प्रज्जवलन के साथ हुआ। इसके पश्चात भगवान बिरसा मुंडा एवं बिशप जॉन रिचर्डसन (बीजेआर) को पुष्पांजलि अर्पित कर उनके योगदान एवं विरासत का स्मरण किया गया। इस आयोजन में जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान एवं योगदान को



रेखांकित करते हुए जनजातीय समुदायों की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, परंपराओं एवं पहचान को सम्मान दिया गया। स्कूली बच्चों ने आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिनमें पारंपरिक नृत्यों के माध्यम से निकोबारी समुदाय की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित किया गया।

कार्यक्रम के अंतर्गत, जनजातीय अधिकारियों को उनके सराहनीय एवं समर्पित सेवाभाव, कर्तव्यनिष्ठा तथा शासकीय दायित्वों के निर्वहन में दिए गए बहुमूल्य योगदान के लिए गणमान्य अतिथियों द्वारा उपायुक्त प्रशस्ति प्रमाण–पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। निकोबार ज़िले के उपायुक्त से प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस समारोह में अधिकारियों, जनजातीय परिषद के प्रतिनिधियों, समुदाय के सदस्यों एवं विद्यार्थियों सहित लगभग 200 लोगों ने भाग लिया।

315 प्राथमिक शिक्षकों के लिए दक्षता आधारित अनुभवात्मक शिक्षण पर ऑनलाइन प्रशिक्षण शुरू





श्री विजयपुरम, 17 नवंबर।

डॉ. एस. राधाकृष्णन ज़िला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डॉ. एस. आर. डाइट), गाराचरामा द्वारा अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के सभी नौ शैक्षणिक अंचलों के 315 प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों के लिए 'दक्षता आधारित अनुभवात्मक शिक्षण' विषय पर 17 से 21 नवंबर, 2026 तक पांच दिवसीय ऑनलाइन क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पारंपरिक विषयवस्तु आधारित शिक्षण पद्धति से दक्षता आधारित एवं अनुभवात्मक शिक्षण पद्धति की ओर बदलाव को प्रोत्साहित करना है। इसके अंतर्गत शिक्षकों को ऐसी शिक्षण पद्धतियां अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है, जिनसे विद्यार्थी खोज, अवलोकन, व्यावहारिक गतिविधियों, आपसी सहयोग तथा वास्तविक जीवन के अनुभवों के माध्यम से सीख सकें। प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों में आलोचनात्मक चिंतन, रचनात्मकता, संवाद कौशल, समस्या समाधान तथा विषयों की अवधारणात्मक समझ जैसी आवश्यक दक्षताओं के विकास पर भी विशेष बल दिया जा रहा है। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी), क्षेत्रीय शिक्षा संस्थानों (आरआईई) तथा विभिन्न विश्वविद्यालयों के प्रतिष्ठित संसाधन विशेषज्ञ एवं विषय विशेषज्ञ दक्षता आधारित शिक्षण पद्धति, अनुभवात्मक शिक्षण, नवोन्मेषी शिक्षण रणनीतियों, गतिविधि आधारित कक्षा शिक्षण तथा दक्षता आधारित मूल्यांकन जैसे विषयों पर सत्र आयोजित कर रहे हैं। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार यह पहल डॉ. एस. आर. डाइट, गाराचरामा की शिक्षकों के निरंतर व्यावसायिक विकास तथा द्वीपसमूह में स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

क्षेत्रीय स्तरीय विज्ञान, गणित एवं कला–शिल्प प्रदर्शनी

कार निकोबार, 17 नवंबर।

शिक्षा विभाग, कार निकोबार द्वारा आज प्रियदर्शिनी सभागार, कार निकोबार में क्षेत्रीय स्तरीय विज्ञान, गणित एवं कला–शिल्प प्रदर्शनी–2026 का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर निकोबार ज़िले के उपायुक्त श्री अमित काले, भा.प्र.से. मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि जनजातीय परिषद, कार निकोबार के अध्यक्ष श्री लियोनार्ड निकोमेड सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित थे। जनजातीय परिषद के उपाध्यक्ष श्री जॉन लेवी भी इस अवसर पर मौजूद रहे। शिक्षा अधिकारी श्री स्वपन पाइक ने उपस्थित जनसमूह का स्वागत किया। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों को वैज्ञानिक जिज्ञासा, रचनात्मकता एवं नवोन्मेषी सोच विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने प्रयोगों के माध्यम से सीखने तथा वास्तविक जीवन की चुनौतियों के व्यावहारिक समाधान खोजने में ज्ञान का उपयोग करने के महत्व



पर ज़ोर दिया। इस प्रदर्शनी में उच्च प्राथमिक, माध्यमिक एवं वरिष्ठ माध्यमिक श्रेणियों के अंतर्गत 7 विद्यालयों के कुल 21 प्रोजेक्ट प्रदर्शित किए गए, जिनमें विद्यार्थियों के नवोन्मेषी विचारों एवं रचनात्मक प्रतिभा की झलक देखने को मिली।

रैम्प योजना के तहत होमस्टे संचालकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आरम्भ

श्री विजयपुरम, 17 नवंबर।

पर्यटन विभाग द्वारा होटल प्रबंधन, खानपान प्रौद्योगिकी एवं अनुप्रयुक्त पोषण संस्थान (आईएचएम), मुंबई के सहयोग से रैम्प योजना के अंतर्गत होमस्टे संचालकों के लिए आयोजित छह दिवसीय व्यापक प्रशिक्षण एवं प्रमाणन कार्यक्रम का शुभारंभ कल डॉ. बी. आर. अंबेडकर प्रौद्योगिकी संस्थान (डीब्राइट), डॉलीगंज के होटल प्रबंधन विभाग में हुआ।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इस पहल का उद्देश्य वर्तमान होमस्टे संचालकों, होमस्टे संचालन शुरू करने के इच्छुक व्यक्तियों तथा उनके कर्मचारियों को प्रभावी होमस्टे संचालन के लिए आवश्यक पाक–कला कौशल, भोजन की आकर्षक प्रस्तुति की तकनीक और स्वच्छता संबंधी कार्यप्रणालियों में दक्ष बनाना है।



संविधान दिवस के अवसर पर अण्डमान लॉ कॉलेज में प्रतियोगिताओं का आयोजन

श्री विजयपुरम, 17 नवंबर।

संविधान दिवस के अवसर पर अण्डमान लॉ कॉलेज द्वारा 18 एवं 19 नवंबर को द्वीपों के महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के बीच दो प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत 18 नवंबर को पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता तथा 19 नवंबर को महाविद्यालय के सभागार में भाषण प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। सभी महाविद्यालयीन विद्यार्थियों को इन प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता का विषय "मेरा संविधान, मेरा गौरव" होगा। वहीं, भाषण प्रतियोगिता दो चरणों में आयोजित की जाएगी। इसका प्रारंभिक चरण का विषय 'न्याय एवं अंतरराष्ट्रीय शांति के क्षेत्र में नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नवनेथेम पिल्लै (2026) का योगदान' है। विजेताओं को आकर्षक नकद पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक विद्यार्थी निर्धारित तिथियों को सुबह 10 बजे तक अपने महाविद्यालय के पहचान–पत्र के साथ सीधे अण्डमान लॉ कॉलेज के सभागार में उपस्थित हो सकते हैं।

अण्डमान तथा निकोबार अभिलेखागार में इंटर्नशिप के लिए आवेदन आमंत्रित

श्री विजयपुरम, 17 नवंबर।

अण्डमान तथा निकोबार अभिलेखागार, सचिवालय ने इतिहास विषय में हाल ही में स्नातक (बी.ए.) की डिग्री पूरी करने वाले पात्र अभ्यर्थियों से अपने अल्पकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम के आगामी बैच के लिए प्रशिक्षु के रूप में नियुक्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किए हैं।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य अभिलेख प्रबंधन, ऐतिहासिक अभिलेखों के संरक्षण एवं परिरक्षण, सूचीकरण, डिजिटलीकरण तथा अभिलेखों के प्रबंधन के क्षेत्र में व्यावहारिक जानकारी और प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान करना है। इसके साथ ही, युवा इतिहास स्नातकों को द्वीपसमूह की ऐतिहासिक एवं दस्तावेज़ी विरासत की समझ विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करना भी इस कार्यक्रम का उद्देश्य है।

अण्डमान तथा निकोबार अभिलेखागार की इंटर्नशिप नीति के अनुसार, दिसंबर, 2026 से फरवरी, 2027 तक तीन माह की अवधि के लिए कुल 10 प्रशिक्षुओं को नियुक्त किया जाएगा।

पात्रता मानदंडः

अभ्यर्थियों ने किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से इतिहास विषय में बी.ए. की डिग्री प्राप्त की होनी चाहिए। वरीयता एवं पात्रता अण्डमान तथा निकोबार अभिलेखागार की इंटर्नशिप नीति के प्रावधानों के अनुसार निर्धारित की जाएगी।

आवेदकों की इतिहास, अभिलेखीय अनुसंधान, ऐतिहासिक अभिलेखों के संरक्षण तथा दस्तावेज़ीकरण में रुचि होनी चाहिए।

अवधि एवं मानदेयः

अवधिः तीन माह (दिसंबर 2026 से फरवरी 2027 तक)।

प्रशिक्षुओं की संख्याः 10 (दस)।

समेकित मानदेयः प्रत्येक प्रशिक्षु को प्रति माह 10,000 रुपये (केवल दस हजार रुपये), इंटर्नशिप नीति के लागू नियमों एवं शर्तों के अधीन प्रदान किए जाएंगे।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी अपनी शैक्षणिक योग्यता के प्रमाण–पत्रों, अंक–पत्रों, आयु प्रमाण तथा अन्य संबंधित दस्तावेज़ों की प्रतियों के साथ अपने आवेदन 25 नवंबर तक अण्डमान तथा निकोबार अभिलेखागार, सचिवालय, श्री विजयपुरम में जमा कर सकते हैं। आवेदन किसी भी कार्यदिवस में व्यक्तिगत रूप से जमा किए जा सकते हैं।

अधिक जानकारी एवं आवेदन संबंधी पूछताछ के लिए अभ्यर्थी कार्यालय समय के दौरान अण्डमान तथा निकोबार अभिलेखागार, सचिवालय, श्री विजयपुरम से संपर्क कर सकते हैं।

जंगलीघाट श्मशान भूमि मार्ग पर 18 से 25 नवंबर तक वाहनों की आवाजाही बंद

श्री विजयपुरम, 17 नवंबर।

आम जनता को सूचित किया गया है कि वार्ड संख्या–6 के अंतर्गत जंगलीघाट श्मशान भूमि मार्ग पर लाइटहाउस क्वार्टर जंक्शन से आयुष अस्पताल के प्रवेश द्वार तक का सड़क मार्ग 18 नवंबर से 25 नवंबर, 2026 तक वाहनों के आवागमन के लिए पूर्णतः बंद रहेगा। इस मार्ग पर अवरुद्ध ह्यूम पाइप पुलिया की सफाई करने तथा जंगलीघाट क्वार्टर क्षेत्र में जलभराव की समस्या का समाधान करने के लिए यह मार्ग बंद किया जा रहा है।

इस अवधि के दौरान यात्रियों एवं वाहन चालकों से वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने का अनुरोध किया गया है। सड़क की खुदाई वाले हिस्से के अंतर्गत आने वाली भूमिगत अथवा अन्य उपयोगिता सेवाओं की लाइनें रखने वाले सभी विभागों एवं एजेंसियों से अनुरोध किया गया है कि वे कार्य को सुचारू रूप से तथा निर्धारित समय पर पूरा करने के लिए सहयोग प्रदान करें। इससे होने वाली असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया गया है। परिषद ने आम जनता एवं सभी संबंधित विभागों से सहयोग की अपील की है।

बाल दिवस के अवसर पर बाल देखभाल संस्थानों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

श्री विजयपुरम, 17 नवंबर।

समग्र बाल विकास, रचनात्मकता, प्रतिभा, समावेशिता एवं पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राज्य बाल संरक्षण समिति (एससीपीएस), समाज कल्याण निदेशालय द्वारा बाल दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न बाल देखभाल संस्थानों में कई गतिविधियों का आयोजन किया गया। राज्य बाल संरक्षण समिति, समाज कल्याण निदेशालय ने ऑयल इंडिया लिमिटेड के सहयोग से 13 नवंबर को बाल देखभाल संस्थान सेवा निकेतन एवं बालिका निकेतन के बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की। इसके अतिरिक्त, उसी दिन मिशन वात्सल्य के नोडल अधिकारी के समन्वय से बाल देखभाल संस्थान में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। बाल दिवस समारोह के अंतर्गत 14 नवंबर को 'पंख' एनजीओ के सहयोग तथा चिन्मय युवा केंद्र के समर्थन से फरारगंज स्थित अभ्युदय परिसर में विशेष



कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार 'सपने सच होते हैं' शीर्षक से आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता के माध्यम से बच्चों को कला के जरिए अपने सपनों एवं भविष्य की आकांक्षाओं को अभिव्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। 'पंख' एनजीओ द्वारा बच्चों को उपहार एवं पुरस्कार वितरित किए गए।

सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रकाशित तथा प्रबन्धक, राजकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित, वितरण तथा विज्ञापन के लिए फोन–229465, प्रधान सम्पादक (प्रभारी) पी. कैरल डी. सोणी
e-mail:dweepsamachar@gmail.com

प्रदर्शनी मैदान में पुष्प प्रदर्शनी आज, शिशु प्रतियोगिता 26 नवम्बर को





श्री विजयपुरम, 17 नवंबर।

ग्रामीण विकास विभाग द्वारा यहां के वीआईपी रोड स्थित प्रदर्शनी मैदान में गत 15 नवम्बर से चल रहा सरस आजीविका मेला–2026 का उद्देश्य स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को अपने उत्पादों का प्रदर्शन एवं विपणन करने के लिए एक मंच उपलब्ध कराना तथा ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा देना है। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार मेले के अंतर्गत 18 नवंबर को पुष्प प्रदर्शनी तथा 26 नवंबर को शिशु प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई एवं जनसुरक्षा को मजबूत करने के लिए 8 नए पीसीआर वाहन शामिल

मायाबंदर, 17 नवंबर।

उत्तर व मध्य अण्डमान ज़िला पुलिस ने पुलिस की गतिशीलता बढ़ाने, आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने तथा ज़िले भर में आम जनता को शीघ्र सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 8 नए पीसीआर वाहन अपने बेड़े में शामिल किए हैं।

इन वाहनों के शामिल होने के साथ ही ज़िले के सभी पुलिस थानों में अब कम से कम एक पीसीआर वाहन उपलब्ध हो गया है। इससे आम जनता की शिकायतों एवं आपातकालीन परिस्थितियों में पुलिस की पहुंच और त्वरित प्रतिक्रिया में सुधार होगा।

ये पीसीआर वाहन पुलिस गश्त एवं निगरानी को मजबूत करने, जन शिकायतों और आपात स्थितियों में समय पर कार्रवाई करने तथा असामाजिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने में सहायक होंगे। इससे नागरिकों के लिए अधिक सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।



उत्तर व मध्य अण्डमान के पुलिस अधीक्षक से प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इसके अतिरिक्त, उत्तर व मध्य अण्डमान ज़िले में आपातकालीन हेल्पलाइन 112 अब चौबीसों घंटे पूरी तरह कार्यरत है। नागरिकों से आग्रह किया गया है कि वे आपातकालीन परिस्थितियों में तत्काल पुलिस सहायता एवं त्वरित कार्रवाई के लिए इस सेवा का लाभ उठाएं।

दक्षिण अण्डमान ज़िला पुलिस की तत्पर कार्रवाई से पर्यटक का खोया हुआ बैग बरामद

श्री विजयपुरम, 17 नवंबर।

13 नवंबर, 2026 को लगभग शाम 6.30 बजे गुजरात से अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह भ्रमण पर आए एक पर्यटक श्री गौतम पी. सोनी ने पुलिस थाना अबर्डीन पहुंचकर सूचना दी कि वे गलती से अपना बैग एक ऑटो–रिक्शा में छोड़ आए हैं।

सूचना मिलते ही पुलिस कर्मियों ने लापता बैग का पता लगाने के लिए हरसंभव प्रयास शुरू किए। पुलिस ने ऑटो–रिक्शा यूनियन के अध्यक्ष तथा विभिन्न ऑटो–रिक्शा स्टैंडों से संपर्क कर घटना की जानकारी साझा की और सहयोग मांगा। इसके बाद एक ऑटो–रिक्शा चालक ने पुलिस थाना अबर्डीन से संपर्क कर सूचित किया कि यात्रियों द्वारा ऑटो–रिक्शा में छोड़ा गया एक बैग उसे मिला है, जिसे संबंधित व्यक्ति को सौंपा जा सकता है। पुलिस के त्वरित समन्वय एवं समय पर की गई कार्रवाई के फलस्वरूप बैग को सफलतापूर्वक बरामद कर उसके वास्तविक मालिक को सौंप दिया गया।

दक्षिण अण्डमान ज़िले के पुलिस अधीक्षक से प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पर्यटक ने अपने सामान की सुरक्षित बरामदगी सुनिश्चित करने के लिए पुलिस थाना अबर्डीन के पुलिस कर्मियों द्वारा दिखाई गई तत्परता, समर्पण एवं सहयोग के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।



प्राप्त विज्ञप्ति में किसी भी आपात स्थिति में आम जनता से अपील की गई है कि त्वरित सहायता एवं पुलिस की शीघ्र कार्रवाई के लिए तुरंत 112 (टोल–फ्री पुलिस आपातकालीन हेल्पलाइन) पर संपर्क करें। यह सेवा जनसुरक्षा एवं समय पर सहायता सुनिश्चित करने के लिए चौबीसों घंटे उपलब्ध है।

'नशामुक्त युवा, विकसित भारत' पर कन्यापुरम स्कूल में हुआ खंड स्तरीय पड़ोस युवा संसद

श्री विजयपुरम, 17 नवंबर।

भारत सरकार के युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय के अधीन माई भारत, श्री विजयपुरम द्वारा ग्राम पंचायत के समन्वय से आज दक्षिण अण्डमान के कन्यापुरम स्थित राजकीय माध्यमिक विद्यालय के सभागार में 'नशामुक्त युवा, विकसित भारत' विषय पर खंड स्तरीय पड़ोस युवा संसद (एनवाईपी) का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विंबर्लीगंज क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों एवं युवा क्लबों से लगभग 80 प्रतिभागियों ने भाग लिया।



इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को अपने विचार व्यक्त करने, प्रश्न उठाने, मादक पदार्थों के दुरुपयोग से जुड़ी चुनौतियों पर चर्चा करने तथा स्वस्थ, ज़िम्मेदार एवं नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए व्यावहारिक उपाय सुझाने हेतु एक मंच प्रदान करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ गणमान्य अतिथियों के स्वागत एवं उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट करने के साथ हुआ। इसके पश्चात श्री गोपाल सी. बिस्वास, एपीएस (ओएसडी), माई भारत, श्री विजयपुरम ने कार्यक्रम के उद्देश्यों एवं निर्धारित कार्यसूची की जानकारी दी।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इस अवसर पर श्री राजी जॉर्ज, प्रभागीय वन अधिकारी (डीएफओ), दक्षिण अण्डमान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। श्रीमती ज्योति, ज़िला शिक्षा अधिकारी (डीईओ), विंबर्लीगंज सम्मानित अतिथि तथा डॉ. पी. अब्दुल बशीर, प्रधान, कन्यापुरम ग्राम पंचायत विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में एक संवादात्मक प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें युवा प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस दौरान मादक पदार्थों के दुरुपयोग के कारणों, अवैध मादक पदार्थों की उपलब्धता एवं रोकथाम, कानून प्रवर्तन एजेंसियों की भूमिका, स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों, परामर्श एवं पुनर्वास सुविधाओं, विद्यार्थियों के बीच जागरूकता तथा परिवारों, शैक्षणिक संस्थानों एवं ग्राम पंचायतों की ज़िम्मेदारियों से संबंधित कई महत्वपूर्ण प्रश्न उठाए गए।

अस्मिता कयाकिंग एवं कैनोइंग लीग चैंपियनशिप 19 नवंबर को

श्री विजयपुरम, 17 नवंबर।

अस्मिता कयाकिंग एवं कैनोइंग लीग चैंपियनशिप का आयोजन 19 नवंबर, 2026 को श्री विजयपुरम में किया जाएगा। अस्मिता लीग, जिसे पहले खेलो इंडिया महिला लीग के नाम से जाना जाता था, युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) की एक पहल है। इस पहल का उद्देश्य लैंगिक समानता को बढ़ावा देना तथा देशभर में विभिन्न आयु वर्गों की महिला खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धात्मक खेलों में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करना है। 'अस्मिता' का पूरा नाम 'एक्शन के माध्यम से प्रेरित होकर खेलों में उपलब्धि हासिल करना' है।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इस संबंध में अण्डमान तथा निकोबार कयाकिंग एवं कैनोइंग एसोसिएशन (एएनकेसीए) ने अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के खिलाड़ियों को गूगल फॉर्म के माध्यम से अपना विवरण जमा कर चैंपियनशिप के लिए पंजीकरण कराने हेतु आमंत्रित किया है। इच्छुक खिलाड़ियों, टीमों एवं संस्थानों से अनुरोध किया गया है कि वे 9679525733 पर संपर्क कर व्हाट्सऐप के माध्यम से पंजीकरण लिंक प्राप्त करें।

अण्डमान लॉ कॉलेज में उपभोक्ता अधिकारों पर निबंध लेखन प्रतियोगिता 21 नवम्बर को

श्री विजयपुरम, 17 नवंबर।

अण्डमान लॉ कॉलेज के उपभोक्ता जागरूकता क्लब द्वारा 21 नवंबर को "कैविएट एम्प्टर–खरीदार सावधान रहें : उपभोक्ता अधिकार" विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिताएं महाविद्यालय के सभागार में शाम 3 बजे से शुरू होंगी। यह आयोजन उपभोक्ता जागरूकता समूह के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में किया जा रहा है। यह एक राष्ट्रीय स्तर का संगठन है, जिसकी उपस्थिति भारत के सभी राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों में है।

यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों को उपभोक्ता अधिकारों एवं ज़िम्मेदारियों के प्रति जागरूक करना तथा सोच–समझकर उपभोक्ता संबंधी विकल्प चुनने और उपभोक्ता संरक्षण कानूनों के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है। किसी भी महाविद्यालय के विद्यार्थी इस प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। इसके लिए पूर्व पंजीकरण की आवश्यकता नहीं है। इच्छुक विद्यार्थी निर्धारित तिथि को अपने महाविद्यालय का पहचान–पत्र लेकर सीधे सभागार में पहुंचकर प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं।

इसके अतिरिक्त, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में उपभोक्ता जागरूकता समूह का गठन किया गया है, जिसमें वर्तमान में 75 सदस्य हैं। द्वीपवासियों के बीच उपभोक्ता जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस समूह द्वारा एक महिला समूह एवं एक युवा समूह का गठन भी किया जाएगा।

सीनियर राष्ट्रीय बास्केटबॉल चैंपियनशिप के लिए चयन परीक्षण 22 नवंबर को

श्री विजयपुरम, 17 नवंबर।

76वीं सीनियर राष्ट्रीय बास्केटबॉल चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए अण्डमान तथा निकोबार सीनियर बास्केटबॉल टीम का चयन परीक्षण 22 नवंबर, 2026 को श्री विजयपुरम में आयोजित किया जाएगा। यह राष्ट्रीय चैंपियनशिप 20 से 27 दिसंबर, 2026 तक इंदौर, मध्य प्रदेश में आयोजित होगी। प्राप्त विज्ञप्ति मेंसभी इच्छुक एवं पात्र खिलाड़ियों से अनुरोध किया गया है कि वे 21 नवंबर, 2026 तक नेताजी स्टेडियम, श्री विजयपुरम स्थित राज्य ओलंपिक संघ कार्यालय में अपना पंजीकरण करा लें।अधिक जानकारी के लिए मोबाइल नंबर 7063957589 पर संपर्क किया जा सकता है।

आकाशवाणी में हिंदी युववाणी कार्यक्रम के लिए उद्घोषकों के पैनल हेतु ऑडिशन

श्री विजयपुरम, 17 नवंबर।

आकाशवाणी, श्री विजयपुरम द्वारा हिंदी युववाणी कार्यक्रम के लिए उद्घोषकों के पैनल के गठन हेतु ऑडिशन आयोजित किया जाएगा। इसके लिए आवेदक का 12वीं उत्तीर्ण होना तथा हिंदी भाषा में दक्षता, अच्छी आवाज़, स्पष्ट उच्चारण एवं भाषा का पर्याप्त ज्ञान होना आवश्यक है। केवल श्री विजयपुरम नगरपालिका क्षेत्र के 30 वर्ष से कम आयु के निवासियों पर ही उद्घोषकों के पैनल के लिए विचार किया जाएगा।

आवेदकों को 118 रुपये का शुल्क एनईएफटी अथवा ऑनलाइन बैंकिंग के माध्यम से 'प्रसार भारती', बीसीआई, एआईआर, पोर्ट ब्लेयर के नाम से जमा करना होगा। इसके लिए बैंक खाते का विवरण खाता संख्याः 10605077916, आईएफएससी कोडः एसबीआईएन 0000156, शाखाः मोहनपुरा शाखा, अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह। शुल्क जमा करने के बाद आवेदकों को ऑडिशन में भाग लेना होगा।

आवेदन पत्र आकाशवाणी के ड्यूटी रूम से किसी भी कार्यदिवस में कार्यालय समय के दौरान प्राप्त किए जा सकते हैं। पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन पत्र आवश्यक दस्तावेज़ों के साथ 13 दिसंबर, 2026 से पहले आकाशवाणी, श्री विजयपुरम में पहुंच जाने चाहिए।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार उद्घोषकों के रूप में कार्य करने से भविष्य में नियमित रोज़गार का कोई अधिकार प्राप्त नहीं होगा। यह पैनल आवश्यकता पड़ने पर उद्घोषकों की सेवाएं लेने के उद्देश्य से तैयार किया जा रहा है।

आईसीएआर–सीआईएआरआई ने पेटेंट प्राप्त प्रौद्योगिकियों की खरीद एवं व्यावसायीकरण के लिए किसानों, उद्यमियों और उद्योगों को आमंत्रित किया

श्री विजयपुरम, 17 नवंबर।

आईसीएआर–केंद्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर–सीआईएआरआई), श्री विजयपुरम, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह द्वारा कई नवीन प्रौद्योगिकियां विकसित की गई हैं। इनका उद्देश्य पारंपरिक खाद्य प्रसंस्करण गतिविधियों को सरल बनाना, शारीरिक श्रम एवं कठिनाई को कम करना, पशुओं के स्वास्थ्य में सुधार करना तथा प्राकृतिक संसाधनों का कुशल उपयोग सुनिश्चित करना है। ये पेटेंट प्राप्त प्रौद्योगिकियां बिक्री एवं व्यावसायीकरण के लिए उपलब्ध हैं।

इन प्रौद्योगिकियों में जनजातीय परिवारों में पारंपरिक खाद्य प्रसंस्करण गतिविधियों के लिए विशेष रूप से विकसित दो कम लागत वाले उपकरण, कृषि एवं पालतू पशुओं में बाह्य परजीवियों के नियंत्रण के लिए एक कीटनाशी मिश्रण तथा भूरे समुद्री शैवाल से कैल्शियम एल्जिनेट (फाइको–कॉलॉइड) तैयार करने की एक प्रक्रिया शामिल है।

1. द्वीप निकोबारी आलू छीलने का उपकरण : निकोबारी आलू के असमान एवं खुरदरे छिलके को आसानी से छीलने के लिए विकसित किया गया कम लागत वाला हाथ से संचालित उपकरण। यह छीलने की प्रक्रिया को सरल बनाता है तथा शारीरिक श्रम, प्रसंस्करण में लगने वाले समय और खाद्य पदार्थों की बर्बादी को कम करता है।

2. द्वीप पांडानस फल गूदा निष्कर्षक : पांडानस फलों के रेशेदार हिस्सों से खाने योग्य गूदे को अलग करने के लिए तैयार किया गया कम लागत वाला हाथ से संचालित स्टेनलेस स्टील का उपकरण। यह पारंपरिक खाद्य प्रसंस्करण गतिविधियों को सरल बनाता है तथा विशेष रूप से जनजातीय परिवारों में समय और श्रम की बचत करता है।

3. कृषि एवं पालतू पशुओं में बाह्य परजीवियों के नियंत्रण के लिए मिश्रण एवं विधिः कृषि एवं पालतू पशुओं में बाह्य परजीवियों, विशेष रूप से किलनी (टिक्स) के नियंत्रण के लिए एक नवीन कीटनाशी मिश्रण विकसित किया गया है। इसमें अंडनाशक, लार्वानाशक, निम्फनाशक तथा वयस्क परजीवियों को नष्ट करने के गुण हैं। इससे किलनी के संक्रमण को नियंत्रित करने और उससे होने वाले नुक़सान को कम करने में सहायता मिलती है।

4. भूरे समुद्री शैवाल से कैल्शियम एल्जिनेट (फाइको–कॉलॉइड) तैयार करने की प्रक्रियाः यह एक प्राकृतिक हाइड्रोजेल है, जिसे संशोधित निष्कर्षण प्रक्रिया के माध्यम से भूरे समुद्री शैवाल से तैयार किया जाता है। यह अपने भार से 1.7 गुना तक नमी धारण कर सकता है और धीरे–धीरे पौधों को पानी उपलब्ध कराता है। इससे पानी की हानि कम करने तथा मिट्टी और अन्य पौध उगाने वाले माध्यमों में पोषक तत्वों को बनाए रखने में सहायता मिलती है।

यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि ये प्रौद्योगिकियां व्यावहारिक उपयोग, उद्यमिता और व्यावसायिक उपयोग के लिए नए अवसर प्रदान करती हैं, विशेष रूप से द्वीपीय समुदायों के लिए। इच्छुक किसानों, उद्यमियों, स्टार्टअप, स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी), उद्योगों तथा अन्य संगठनों को खरीद एवं व्यावसायीकरण के अवसरों के लिए आईसीएआर–सीआईएआरआई से संपर्क करने के लिए आमंत्रित किया गया है। अधिक जानकारी एवं पूछताछ के लिए निदेशक, आईसीएआर–सीआईएआरआई, श्री विजयपुरम, ईमेल director.ciari@icar.org.in से संपर्क करें।

विश्व वयस्क दिवस प्रति वर्ष 18 नवंबर को मनाया जाता है

नई दिल्ली, 17 नवम्बर।

इस दिवस का मुख्य उद्देश्य वयस्कता से जुड़ी जिम्मेदारियों, चुनौतियों और अवसरों के बारे में जागरूकता बढ़ाना है, विशेष रूप से वृद्ध वयस्कों के जीवन से संबंधित मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करना।

यह दिन उम्र बढ़ने से संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं से निपटने और वृद्ध व्यक्तियों के आसपास एक सहायक और देखभालपूर्ण वातावरण बनाने की आवश्यकता पर जोर देता है। यह वयस्कों से आग्रह करने की एक पहल है कि वे अपने वृद्ध माता–पिता के साथ रहें, उनकी देखभाल करें और समाज में सद्भाव बनाए रखें, जिससे माता–पिता–बच्चे के रिश्ते मजबूत हों।

वयस्कता स्वतंत्रता, अपने निर्णय लेने की शक्ति और व्यक्तिगत विकास के अवसर प्रदान करती है। यह दिन इन पहलुओं को भी उजागर करता है। विश्व स्तर पर बुजुर्ग आबादी तेजी से बढ़ रही है (विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की संख्या अगले कुछ वर्षों में दोगुनी होने की उम्मीद है), इसलिए इस मुद्दे पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है।

जबकि "विश्व वयस्क दिवस" 18 नवंबर को मनाया जाता है, इसका इतिहास मुख्य रूप से वृद्धों की देखभाल और अधिकारों के लिए वैश्विक प्रयासों से जुड़ा है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस की स्थापना 14 दिसंबर 1990 को की गई थी और यह हर साल 1 अक्टूबर को मनाया जाता है। 18 नवंबर को मनाया जाने वाला "विश्व वयस्क दिवस" इसी तरह के उद्देश्यों को पूरा करता है, लेकिन इसका फोकस वयस्कता की समग्र यात्रा और अंतर–पीढ़ीगत संबंधों को बेहतर बनाने पर अधिक है। विश्व वयस्क दिवस वयस्कों को अपनी जिम्मेदारियों को समझने, अपने जीवन का निर्माण करने और वृद्धजनों के प्रति सम्मान और देखभाल की भावना को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करता है।

शपथ पत्र

मैं, मोहम्मद रफ़ीक, पुत्र श्री एम. अहमद, निवासी धोबीडेरा, मायाबंदर, शपथपूर्वक निम्नलिखित घोषणा करता हूँ :–

1. कि मेरा नाम मोहम्मद रफ़ीक है।
2. कि मेरे पिता का नाम कुछ दस्तावेजों में आधिकारिक रूप से "M. AHAMED" दर्ज है, जबकि अन्य कुछ दस्तावेजों में उनका नाम "MOHD. AHMED" अंकित है।
3. कि मेरे शैक्षणिक प्रमाण–पत्रों एवं विद्यालय के अभिलेखों में उल्लिखित "MOHD. AHMED" नाम उसी व्यक्ति का है, जो मेरे जैविक पिता हैं।
4. कि मेरे पिता के नाम में यह भिन्नता विभिन्न दस्तावेजों में वर्तनी एवं संक्षिप्त नाम लिखे जाने के अंतर के कारण उत्पन्न हुई है तथा संबंधित व्यक्ति की पहचान में कोई अंतर नहीं है।
5. कि मैं एतद्द्वारा यह घोषणा एवं पुष्टि करता हूँ कि मेरे पिता का सही एवं स्थायी नाम "M. AHAMED" है, जिसमें अंग्रेजी अक्षर "M" के बाद एक रिक्त स्थान तथा उसके पश्चात "AHAMED" लिखा जाता है।
6. कि यह शपथ पत्र पासपोर्ट सत्यापन एवं विभिन्न दस्तावेजों में मेरे पिता के नाम में पाई गई भिन्नता के संबंध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने हेतु पासपोर्ट प्राधिकरण के समक्ष जमा करने के उद्देश्य से निष्पादित किया जा रहा है।

कि उपर्युक्त पैरा 1 से 6 तक में उल्लिखित सभी कथन मेरी जानकारी एवं विश्वास के अनुसार सत्य एवं सही हैं तथा इसमें कोई भी महत्वपूर्ण तथ्य छिपाया नहीं गया है.

शपथकर्ता

राष्ट्रीय संग्रहालय से युगे युगेन भारत संग्रहालय में जाएंगी 1,000 से अधिक कलाकृतियां

नई दिल्ली, 17 नवम्बर।

मोहनजोदड़ो की प्रसिद्ध कांस्य प्रतिमा 'डांसिंग गर्ल', निजाम के बेशकीमती गहनों का एक सेट और कोलकाता के भारतीय संग्रहालय की कुछ मूर्तियां युगे युगेन भारत संग्रहालय की प्रस्तावित 'अलंकरण' गैलरी का हिस्सा होंगी। केंद्रीय संस्कृति सचिव विवेक अग्रवाल ने सोमवार को यह जानकारी दी।

कर्तव्य भवन में आयोजित बातचीत के दौरान अग्रवाल ने बताया कि नए संग्रहालय के लिए कलाकृतियां मुख्य रूप से दिल्ली स्थित राष्ट्रीय संग्रहालय से ली जाएंगी। इसके बाद राष्ट्रीय संग्रहालय के संग्रह को भी नए सिरे से व्यवस्थित और प्रदर्शित किया जाएगा।

राष्ट्रीय संग्रहालय की मौजूदा इमारत को लेकर उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार ने इसे राष्ट्रीय संग्रहालय के रूप में ही बनाए रखने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, "यह राष्ट्रीय संग्रहालय बना रहेगा और इतिहास का संग्रहालय होगा, जबकि युगे युगेन भारत संग्रहालय सभ्यता का संग्रहालय होगा।" इस तरह दोनों संग्रहालयों की अलग–अलग पहचान और भूमिका होगी।

करीब 4,500 साल पुरानी मोहनजोदड़ो की कांस्य प्रतिमा 'डांसिंग गर्ल' नए संग्रहालय की पहली गैलरी 'अलंकरण' में प्रदर्शित की जाएगी। अग्रवाल ने कहा कि यह प्रतिमा उस दौर में महिलाओं द्वारा पहने जाने वाले विभिन्न आभूषणों और सजावटी वस्तुओं की जानकारी देने वाली शुरुआती ऐतिहासिक छवियों में से एक है। इसलिए गैलरी की शुरुआत इसी प्रतिमा से की जाएगी।

उन्होंने बताया कि 'अलंकरण' गैलरी में 1,000 से अधिक वस्तुएं रखी जाएंगी। इनमें भारतीय रिजर्व बैंक की अभिरक्षा में रखे निजाम के गहने, राष्ट्रीय संग्रहालय में मौजूद तक्षशिला के आभूषण, लघु चित्रकला संग्रह के कुछ हिस्से, भारतीय संग्रहालय की मूर्तियां और गांधार मूर्तिकला संग्रह की कलाकृतियां शामिल हैं। कुछ वस्तुएं प्रयागराज संग्रहालय से भी लाई जाएंगी।

अग्रवाल के अनुसार, 'डांसिंग गर्ल' को पहले एक अस्थायी मॉडल गैलरी में रखा गया था, ताकि प्रदर्शनी की रूपरेखा तैयार करने वाले विशेषज्ञ यह समझ सकें कि पहली गैलरी में किन वस्तुओं को शामिल किया जाना है। इसके बाद प्रतिमा को मुख्य प्रदर्शनी में वापस रखा गया, लेकिन अंतिम रूप से इसे युगे युगेन भारत संग्रहालय में स्थानांतरित किया जाएगा।

संस्कृति सचिव ने बताया कि नए संग्रहालय के लिए वस्तुओं के चयन और संग्रह का विश्लेषण किया जा रहा है। सरकार के अनुसार, राष्ट्रीय संग्रहालय, संस्कृति मंत्रालय के अधीन अन्य संग्रहालयों, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के 52 स्थल संग्रहालयों, विभिन्न राज्य संग्रहालयों और निजी संग्रहों से करीब 18 लाख वस्तुओं की पहचान की गई है, जिन्हें युगे युगेन भारत संग्रहालय में प्रदर्शित करने की योजना है। उन्होंने कहा कि अभी राष्ट्रीय संग्रहालय में कुल वस्तुओं में से केवल 10 प्रतिशत ही प्रदर्शित हैं, जबकि शेष 90 प्रतिशत भंडारण में रखी हुई हैं। पहले युगे युगेन भारत संग्रहालय की पहली गैलरी तैयार की जाएगी। इसके बाद राष्ट्रीय संग्रहालय के संग्रह को उसकी अपनी विषयवस्तु के अनुरूप नए सिरे से व्यवस्थित किया जाएगा।

ई–कचरे से महत्वपूर्ण धातुएं निकालने की स्वदेशी तकनीक विकसित करेगी नियो सीकरमेटल्स

नई दिल्ली, 17 नवंबर (हि.स.)।



ई–कचरे और लिथियम–आयन बैटरी के कचरे से महत्वपूर्ण धातुएं निकालने की स्वदेशी तकनीक को व्यावसायिक स्तर तक पहुंचाने के लिए प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी) ने हैदराबाद की कंपनी नियो सीकरमेटल्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता किया है। अनुसंधान, विकास एवं नवाचार (आरडीआई) कोष के तहत इस परियोजना के लिए 10 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता मंजूर की गई है। पूरी परियोजना की लागत 20 करोड़ रुपये है।

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अनुसार यह समझौता ई–कचरे और लिथियम–आयन बैटरी के कचरे के पुनर्चक्रण से महत्वपूर्ण धातुएं निकालने की स्वदेशी तकनीक के विकास और व्यावसायीकरण में मदद करेगा। इसके तहत कंपनी को वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय ऋण (ओसीडी) के माध्यम से वित्तीय सहायता दी जाएगी।

कंपनी ने ई–कचरे और लिथियम–आयन बैटरी के कचरे के पुनर्चक्रण के लिए एक एकीकृत और पेटेंट प्राप्त प्रक्रिया विकसित की है। इसके माध्यम से इन कचरों से मूल्यवान धातुओं और बैटरी में इस्तेमाल होने वाली सामग्री को वापस प्राप्त करने का लक्ष्य है। इससे बेकार समझी जाने वाली सामग्री का दोबारा उपयोग किया जा सकेगा।

परियोजना के तहत तकनीक को प्रौद्योगिकी तैयारी स्तर (टीआरएल)–5 से टीआरएल–9 तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। इससे इसे व्यावसायिक स्तर पर इस्तेमाल के लिए तैयार किया जा सकेगा। यह पहल महत्वपूर्ण खनिजों और धातुओं की घरेलू उपलब्धता बढ़ाने के साथ पुनर्चक्रण आधारित अर्थव्यवस्था को भी मजबूत करेगी।

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड के सचिव राजेश कुमार पाठक ने कहा कि स्वच्छ ऊर्जा और उन्नत प्रौद्योगिकियों की दिशा में भारत की प्रगति के लिए महत्वपूर्ण खनिजों की सुरक्षित और टिकाऊ उपलब्धता जरूरी है। ई–कचरे एवं उपयोग की अवधि पूरी कर चुकी बैटरियों से इन संसाधनों को वापस प्राप्त करने की स्वदेशी क्षमता विकसित करना इस दिशा में महत्वपूर्ण है। आरडीआई कोष के माध्यम से बोर्ड ऐसी तकनीकों को सहायता दे रहा है, जो कचरे को मूल्यवान संसाधनों में बदल सकती हैं।

भारतीय जहाज सह्याद्री ने जापानी नौसेना के साथ द्विपक्षीय समुद्री अभ्यास 'जैमेक्स' में हिस्सा लिया

नई दिल्ली, 17 नवम्बर (हि.स.)।



भारतीय नौसेना ने जापान मैरीटाइम सेल्फ–डिफेंस फोर्स (जेएमएसडीएफ) के साथ द्विपक्षीय समुद्री अभ्यास 'जैमेक्स' में हिस्सा लिया। इस एक्सरसाइज ने दोनों नौसेनाओं को समन्वित समुद्री जुड़ाव करने और ऑपरेशनल सहयोग मजबूत करने का मौका दिया। इस दौरान भारतीय जहाज सह्याद्री ने जापानी शिप के साथ मिलकर कई मैरीटाइम ऑपरेशनल इंगेजमेंट किए। इनमें टैक्टिकल मैनूवर, कम्युनिकेशन ड्रिल और क्रॉस–डेक लैंडिंग शामिल थे, जिससे दोनों नौसेनाओं को समन्वित संचालन की प्रैक्टिस करने और एक–दूसरे की प्रक्रियाओं और क्षमता के बारे में अपनी समझ बढ़ाने के मौके मिले।

समुद्री अभ्यास में इंटरऑपरेबिलिटी को मजबूत करने, ऑपरेशनल कोऑर्डिनेशन को बेहतर बनाने और हिस्सा लेने वाली यूनिट्स के बीच आपसी समझ को बढ़ावा देने पर फोकस किया गया। इस एक्सरसाइज ने प्रोफेशनल अनुभवों को शेयर करने और नेवी–टू–नेवी के बीच पहले से मौजूद सहयोग को और मजबूत करने का मौका भी दिया। जैमेक्स में आईएनएस सह्याद्री का हिस्सा लेना भारत–जापान समुद्री पार्टनरशिप की बढ़ती गहराई और दोनों नौसेनाओं के बीच लगातार जुड़ाव को दिखाता है। इस तरह की एक्सरसाइज आपसी भरोसे को मजबूत करने, ऑपरेशनल जानकारी बढ़ाने और समुद्री क्षेत्र में सहयोग को आगे बढ़ाने में मदद करती हैं।

यह एक्सरसाइज भारत–जापान समुद्री पार्टनरशिप और समुद्री सहयोग, ऑपरेशनल तालमेल और आपसी समझ को मजबूत करने के लिए दोनों नौसेनाओं के साझा प्रतिबद्धता को पक्का करती है, जिससे एक सुरक्षित और स्थिर इंडो–पैसिफिक में मदद मिलती है।

चक्रवात 'अकवान' के 20 नवंबर को आंध्र प्रदेश तट से टकराने की आशंका

हैदराबाद, 17 नवंबर (हि.स.)।

दक्षिण–पूर्व और उससे सटे दक्षिण–पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना चक्रवाती तूफान 'अकवान' गंभीर चक्रवाती तूफान में तब्दील हो सकता है। आंध्र प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, पिछले छह घंटों के दौरान चक्रवात तीन किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आगे बढ़ा है।

राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के एमडी एवं रियल टाइम गवर्नेंस सोसाइटी (आरटीजीएस) के सीईओ प्रखर जैन ने बताया कि चक्रवात फिलहाल चेन्नई से 610 किलोमीटर, मछलीपट्टनम से 660 किलोमीटर, विशाखापत्तनम से 670 किलोमीटर और ओडिशा के गोपालपुर से 790 किलोमीटर दूर केंद्रित है।

उन्होंने बताया कि पश्चिम–उत्तर–पश्चिम दिशा में आगे बढ़ते हुए चक्रवात के गुरुवार (19 नवंबर) की सुबह तक अत्यंत गंभीर चक्रवाती तूफान में बदलने की आशंका है। इसके शुक्रवार (20 नवंबर) को दोपहर तक नेल्लोर और तुनी के बीच आंध्र प्रदेश के तट से टकराने का अनुमान है। इस दौरान 120 से 130 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं, जिनकी गति 145 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने की आशंका है। उन्होंने तटीय इलाकों के लोगों से सतर्क रहने की अपील की।

इस बीच, मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने मंगलवार सुबह आसन्न चक्रवात की तैयारियों को लेकर अधिकारियों के साथ टेलीकांफ्रेंस की। उन्होंने चक्रवात के संभावित मार्ग और उसकी तीव्रता की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल के दिनों में यह तीसरा चक्रवात है, जिसके राज्य से टकराने की आशंका है। उन्होंने कहा कि ऐसी आपदाओं से घबराने की जरूरत नहीं है। सरकार का प्रयास होना चाहिए कि आम जनता पर इनका प्रतिकूल प्रभाव कम से कम पड़े। इसके प्रभाव से 19 और 20 नवंबर को भारी बारिश होने का अनुमान है।

प्रारूप–5
(नियम 10 देखें)

प्रारूप निर्वाचक नामावली के प्रकाशन की सूचना
अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचकों के लिए

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निर्वाचक नामावली, निर्वाचकों का पंजीकरण नियम, 1960 के प्रावधानों के अनुसार तैयार कर ली गई है तथा इसकी एक प्रति मेरे कार्यालय में, सभी पदनामित मतदान केंद्रों पर पदाभिहित अधिकारियों के पास कार्यालयीन समय के दौरान निरीक्षण हेतु उपलब्ध है।

निर्वाचक नामावली तैयार करने के लिए अर्हक तिथि 01.01.2027 निर्धारित की गई है।

उपर्युक्त अर्हक तिथि के संदर्भ में यदि किसी व्यक्ति को निर्वाचक नामावली में अपना नाम शामिल करवाने के लिए कोई दावा प्रस्तुत करना हो अथवा किसी नाम को शामिल किए जाने पर कोई आपत्ति हो या किसी प्रविष्टि के विवरण के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो ऐसी आपत्ति या दावा निर्धारित प्रपत्र 6, 6क, 7 एवं 8 में, जैसी भी स्थिति हो, दिनांक 16.12.2026 (बुधवार) को या उससे पूर्व प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

ऐसा प्रत्येक दावा या आपत्ति संबंधित निर्धारित मतदान केंद्रों पर पदाभिहित अधिकारियों/बूथ लेवल अधिकारियों के समक्ष व्यक्तिगत रूप से प्रस्तुत किया जा सकता है अथवा डाक द्वारा निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह संसदीय निर्वाचन क्षेत्र या संबंधित सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी को भेजा जा सकता है। इसके अतिरिक्त, ECINET मोबाइल ऐप अथवा निम्नलिखित ऑनलाइन वेबसाइटों के माध्यम से भी प्रस्तुत किया जा सकता है:– https://voters.eci.gov.in, https://ecinet.eci.gov.in ताकि उपर्युक्त निर्धारित तिथि तक सभी दावे/आपत्तियाँ प्राप्त हो सकें।

कोई भी पात्र नागरिक, जो वर्ष 2027 में आगामी अर्हक तिथियों अर्थात् 01 अप्रैल, 2027, 01 जुलाई, 2027 अथवा 01 अक्टूबर, 2027 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने जा रहा है, वह भी अपना नाम निर्वाचक नामावली में शामिल करवाने हेतु प्रपत्र–6 में इस सूचना की तिथि से अग्रिम रूप से दावा प्रस्तुत कर सकता है। ऐसे दावों पर संबंधित अर्हक तिथि के संदर्भ में वर्ष की संबंधित तिमाही में विचार किया जाएगा तथा उनका निस्तारण किया जाएगा।

दिनांक: 15.11.2026

निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी
अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह संसदीय निर्वाचन क्षेत्र

जनगणना के दूसरे चरण के लिए स्व–गणना शुरू, 30 नवंबर तक ऑनलाइन दे सकेंगे विवरण

नई दिल्ली, 17 नवंबर (हि.स.)।

जनगणना 2027 के दूसरे चरण के तहत उत्तर प्रदेश, पंजाब, गोवा और उत्तराखंड के गैर–बर्फीले क्षेत्रों में सोमवार से स्व–गणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) की प्रक्रिया शुरू हो गई। इन राज्यों और क्षेत्रों के निवासी 30 नवंबर तक आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से अपने परिवार और व्यक्तिगत विवरण ऑनलाइन दर्ज करा सकेंगे। इसके बाद एक दिसंबर से चार जनवरी 2027 तक जनगणनाकर्मी घर–घर जाकर जनसंख्या गणना करेंगे।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार घर–घर गणना के बाद पांच से नौ जनवरी 2027 तक पुनरीक्षण दौर चलाया जाएगा। इन राज्यों और क्षेत्रों के लिए जनगणना की संदर्भ तिथि पांच जनवरी 2027 की मध्यरात्रि (00:00 बजे) निर्धारित की गई है।

स्व–गणना में भाग लेने के लिए निवासी आधिकारिक पोर्टल म.बमदेने.हवअ.पद पर अपने मोबाइल नंबर के माध्यम से लॉगिन कर सकते हैं। इसके लिए पहले चरण के दौरान पंजीकृत मोबाइल नंबर का इस्तेमाल करना बेहतर होगा। पोर्टल पर परिवार और व्यक्तिगत विवरण से जुड़े अधिसूचित 40 सवालों के जवाब देने होंगे। सफलतापूर्वक जानकारी जमा करने के बाद एक विशिष्ट स्व–गणना पहचान संख्या (एसई आईडी) जारी होगी, जिसे बाद में घर आने वाले जनगणनाकर्मी को उपलब्ध कराना होगा।

जनगणना के दौरान स्व–गणना की सुविधा लेने वाले परिवारों के यहां भी जनगणनाकर्मी निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पहुंचेंगे। जिन परिवारों ने ऑनलाइन स्व–गणना नहीं की होगी, उनके विवरण जनगणनाकर्मी घर–घर जाकर दर्ज करेंगे। इस प्रकार स्व–गणना की सुविधा उपलब्ध होने के बावजूद सभी आवंटित क्षेत्रों में घर–घर गणना की प्रक्रिया जारी रहेगी।

देश के शेष राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में जनसंख्या गणना 25 जनवरी से 28 फरवरी 2027 तक होगी। इसके बाद एक से पांच मार्च 2027 तक पुनरीक्षण दौर चलेगा। इन राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में स्व–गणना की सुविधा 10 से 24 जनवरी 2027 तक उपलब्ध रहेगी। इनके लिए जनगणना की संदर्भ तिथि एक मार्च 2027 की मध्यरात्रि निर्धारित की गई है।

जनगणना 2027 के पहले चरण के तहत मकानसूचीकरण एवं आवास गणना (एचएलओ) मणिपुर को छोड़कर देश के सभी 35 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में पूरी हो चुकी है।

देश में पहली बार जनगणना की प्रक्रिया डिजिटल माध्यमों से संचालित की जा रही है। इसके तहत स्व–गणना को एक अतिरिक्त सुविधा के रूप में शुरू किया गया है। यह सुरक्षित और उपयोगकर्ता के अनुकूल वेब आधारित व्यवस्था 16 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध है।

जैव ईंधन से कच्चे तेल आयात पर निर्भरता खत्म करने का लक्ष्य, किसान बनेंगे ऊर्जा व हाइड्रोजन उत्पादक–केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली, 17 नवंबर (हि.स.)।



केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने कहा कि जैव ऊर्जा और वैकल्पिक ईंधन का विस्तार भारत को आत्मनिर्भर बनाने तथा सालाना 22 लाख करोड़ रुपये के जीवाश्म ईंधन आयात पर निर्भरता समाप्त करने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि किसानों को पारंपरिक फसलों के साथ ऊर्जा, ईंधन, जैव–बिटुमेन और हरित हाइड्रोजन का उत्पादक बनाना होगा। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

गडकरी ने मंगलवार को यहां भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की ओर से आयोजित राष्ट्रीय जैव ऊर्जा शिखर सम्मेलन में कहा कि देश में वायु प्रदूषण का करीब 40 फीसदी हिस्सा परिवहन क्षेत्र से आता है। इससे निपटने के लिए सरकार इथेनॉल, आइसोब्यूटेनॉल, संपीड़ित प्राकृतिक गैस (सीएनजी), तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी), जैव विमानन ईंधन और हरित हाइड्रोजन को बढ़ावा दे रही है।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि मक्के से इथेनॉल बनाने की अनुमति दिए जाने के बाद मक्के का बाजार भाव 1,200 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़कर 2,600 रुपये प्रति क्विंटल तक पहुंच गया। इससे उत्तर प्रदेश और बिहार के मक्का उत्पादक किसानों को 45 हजार करोड़ रुपये का सीधा लाभ हुआ है। धान की पराली से जैव–बिटुमेन तैयार करने की तकनीक विकसित की गई है। केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान ने इसे पेट्रोलियम आधारित बिटुमेन से बेहतर प्रमाणित किया है। अब तक 25 उद्यमियों ने इसके लिए लाइसेंस लिया है। नागपुर–जबलपुर राजमार्ग पर जैव–बिटुमेन से एक किलोमीटर सड़क का निर्माण भी किया जा चुका है।

गडकरी ने कहा कि नेपियर घास से जैव–सीएनजी और हरित हाइड्रोजन बनाने की भी व्यापक संभावनाएं हैं। इससे बंजर और कृषि भूमि का बेहतर उपयोग किया जा सकता है। भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग का आकार 14 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 22 लाख करोड़ रुपये हो गया है। भारत जापान को पीछे छोड़कर दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल बाजार बन गया है। इस क्षेत्र में साढ़े चार करोड़ से अधिक रोजगार सृजित हुए हैं और कुल उत्पादन का 50 फीसदी निर्यात किया जा रहा है।

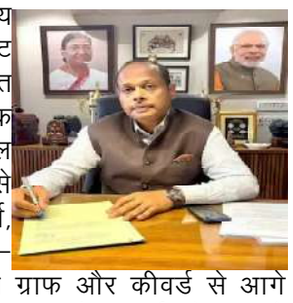
संस्कृति मंत्रालय के 65 पोर्टल की जानकारी अब एक ही एआई प्लेटफॉर्म पर होगी उपलब्ध, चैट बॉट की शुरुआत

नई दिल्ली, 17 नवम्बर (हि.स.)।

केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय ने देश की विशाल एवं विविध सांस्कृतिक विरासत तक आम नागरिकों की पहुंच को आसान बनाने के लिए सोमवार को कृत्रिम बुद्धमत्ता (एआई)–पावर्ड सिमेंटिक सर्च और नॉलेज डिस्कवरी प्लेटफॉर्म लॉन्च किया। इससे अब एक सर्च इंजन पर संस्कृति मंत्रालय अभिलेखागार, पांडुलिपियों, संग्रहालयों, स्मारकों, अमूर्त सांस्कृतिक विरासत, विभिन्न कला रूपों, संरक्षण, स्मारक कार्यक्रमों और प्रमुख राष्ट्रीय अभियानों से जुड़े करीब 65 डिजिटल प्लेटफॉर्म की जानकारी उपलब्ध होगी।

संस्कृति मंत्रालय के सचिव विवेक अग्रवाल ने बताया कि यह प्लेटफॉर्म मंत्रालय के मुख्य डिजिटल प्लेटफॉर्म http://culture.gov.in पर उपलब्ध होगी जिसमें चैट बॉट भी शामिल है। यह सर्च इंजन 22 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध होगा। इसे कोई भी इस्तेमाल कर सकता है। इसके लिए किसी पंजीकरण की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने बताया कि मंत्रालय की देश के विरासत, संस्कृति से जुड़ी कई जानकारी अलग–अलग सिस्टम में बिखरी हुई थी, जिससे नागरिकों के लिए उसे खोजना और उपयोग करना कठिन था।

उदाहरण के तौर पर ज्ञानभारतम में मौजूद डेटाबेस, अभिलेख पोर्टल, मेरा गांव मेरी धरोहर, पर मौजूद विस्तृत जानकारी और डेटा के बारे में भी इस सर्च इंजन से जानकारी प्राप्त की जा सकती है। नए प्लेटफॉर्म के माध्यम से अब नागरिक एआई तकनीक की मदद से एक ही इंटेलिजेंट इंटरफेस पर मंत्रालय की सभी डिजिटल वेबसाइट पर मौजूद भारत से जुड़े विरासत के विश्वनीय जानकारी तक पहुंच सकेंगे। इसमें नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग, एआई से तैयार सारांश, स्रोत संदर्भ, बहुभाषी अनुवाद, रिट्रीवल–ऑगमेंटेड जेनरेशन, नॉलेज ग्राफ और कीवर्ड से आगे बढ़कर उपयोग कर्ताओं की समझ और संदर्भ को समझने वाली खोज की सुविधा दी गई है।



अग्रवाल ने बताया कि यह प्लेटफॉर्म ओपन सोर्स फाउंडेशन मॉडल पर बना है और एलएलएम–एग्नोस्टिक है, ताकि भविष्य में भारतीय सॉवरेन एआई मॉडल और नई तकनीकों को आसानी से जोड़ा जा सके। इस प्लेटफॉर्म की खासियत

यह है कि इसमें 22 भारतीय भाषाओं में सवाल किए जा सकते हैं। हर कथन के साथ नंबर वाला साइटेशन होगा, जो संबंधित मंत्रालय के पेज पर खुलेगा, ताकि एक क्लिक में उत्तर की जांच हो सके। इस प्लेटफॉर्म पर केवल मंत्रालय के अपने पोर्टल से जानकारी लेगा, खुले इंटरनेट से नहीं। जहां सामग्री कम होगी, वहां अनुमान लगाने के बजाय साफ बता देगा।